

2123

M.A. (Sociology)-Third Semester  
SOC-O-931: Sociology of Aging  
(In all mediums)

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 80

**NOTE:** Attempt five questions in all, including Question No. I which is compulsory and selecting one question from each Unit.

x-x-x

I. Attempt the following in about 3-5 lines each :-

- a) Aged in Traditional society Old age
- b) Challenges faced by elderly
- c) Longevity
- d) Role theory
- e) Gerontology
- f) Secondary aging
- g) Old age
- h) Problems of aged women
- i) Senior citizen associations
- j) Social security scheme

(10×2)

**UNIT - I**

II. Define the Social and Biological aspects of aging. (15)

III. Briefly explain the various myths of old age and suggest the ways to combat it. (15)

**UNIT - II**

IV. Elucidate the role theory of aging. (15)

V. Highlight the macro perspectives of aging. (15)

**UNIT - III**

VI. Give a distinction between the status of the aged in Urban and Rural settings. (15)

VII. Write a note on the role of the family in impacting elder's life. (15)

**UNIT - IV**

VIII. Explain the problems faced by elders in the society. What factors are responsible and how can they be improved. (15)

IX. Discuss the future prospects of development programmes and social security schemes in India. (15)

x-x-x

(Hindi and Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

(2)

**नोट:** किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रश्न-1 अनिवार्य है।

-\*-\*-\*-\*

- मिमलिखित प्रश्नों (प्रत्येक) के उत्तर 3-5 पंक्तियों में लिखिएः-
  - पारंपरिक समाज वृद्धावस्था में बुद्धापा
  - बुजुर्गों को पेश आने वाली चुनौतियाँ
  - दीर्घायु
  - भूमिका सिद्धांत
  - जराविज्ञान
  - माध्यमिक उम्र बढ़ना
  - बुद्धापा
  - वृद्ध महिलाओं की समस्याएँ
  - वरिष्ठ नागरिक सभ
  - सामाजिक सुरक्षा योजना

**भाग-1**

- बुद्धापे के सामाजिक और जैविक पहलुओं की परिभाषा लिखिए।
- वृद्धावस्था के विभिन्न मिथ्यों की सक्षिप्त व्याख्या कीजिए और इससे निपटने के उपाय सुझाएँ।

**भाग-2**

- वृद्धावस्था के भूमिका सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
- उम्र बढ़ने के बहुत परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डालिए।

**भाग-3**

- शहरी और ग्रामीण परिवेश में वृद्धों की स्थिति में अंतर स्पष्ट कीजिए।
- बुजुर्गों के जीवन को प्रभावित करने में परिवार की भूमिका पर टिप्पणी लिखिए।

**भाग-4**

- समाज में बुजुर्गों को पेश आने वाली समस्याओं को स्पष्ट कीजिए। कौन से कारक जिम्मेदार हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है?
- भारत में विकास कार्यक्रमों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भविष्य में संभावनाओं की व्याख्या कीजिए।

-\*-\*-\*-\*

(3)

**नोट:** पुस्तक नंबर 1 लाजमी है अते हरेक भाग (1-4) विंचे इंक-इंक पुस्तक दी चेण वरदे होए, साहिआ विंचे बुल्ल पैज पुस्तक वरे।

-\*-\*-\*-\*

- हेठां लिखे पुस्तक (हरेक) दे उत्तर 3-5 सउरां विंच लिखेः-
  - परंपरागत समाज विंच बुद्धेपा
  - घनुरगा नु दरपेस चुट्टीअं
  - लंबी उमर
  - जूमिका मियांउ
  - बुद्धेपा विगिआन
  - मैवंडरी बुद्धेपा
  - बुद्धेपा
  - घनुरग ऐरडां दीआं समेसिआहा
  - मीठीअर नागरिक मीय
  - समाजिक मुर्चिका येजना

**भाग-1**

- बुद्धेपे दे समाजिक अते जीव-विगिआनक परिलुआं दी परिभासा लिखे।
- बुद्धेपे दीआं वेंधे दंखलीआं मिंचां दी मंखेप विआधिका वरे अते इहनां दा भुवाघला वरन दे उरीबे मुझाछि।

**भाग-2**

- बुद्धेपे दे जूमिका मियांउ दी विआधिका वरे।
- बुद्धेपे दे विसाल दिस्टीवेण ते चान्दा पाछि।

**भाग-3**

- सहिती अते घेड़ परिदेस विंच घनुरगां दी मधितो विंच अंतर सप्तस्त वरे।
- घनुरगां दे जीवन नु पूर्वादित वरन विंच परिवार दी जूमिका उंते टिप्पटी लिखे।

**भाग-4**

- समाज विंच घनुरगां नु दरपेस समेसिआहा नु सप्तस्त वरे। किहडे वरक जिंभेवाच रन अते उन्हां नु विवे मुपारिआ जा सकदा है।
- उरड विंच विकास प्रेगरमां अते समाजिक मुर्चिका येजनाहा दीआं अविंध दीआं मेतावनाहा दी विआधिका वरे।

-\*-\*-\*-\*